हाईकोर्ट का फैसला, क्वार्टर खाली कराने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका निरस्त

सरकारी क्वार्टर परिवार के रहने के लिए है, न कि पालतू जानवरों के लिए

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि सरकारी आवासीय परिसर में रहने वाले को उस परिसर के अन्य निवासियों की सुविधा के लिए निर्धारित अनुशासन का पालन करना जरूरी है। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने कोर्ट ने कहा कि सरकारी क्वार्टर परिवार के रहने के लिए है, न कि पालतू जानवरों के लिए। पड़ोसियों की शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि याचिकाकर्ता डॉग पालना चाहते हैं, तो वह किराए का मकान लेकर अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। ऐसा भी नहीं है कि उसे इतने बड़े शहर में किराए पर मकान नहीं मिल रहा है। इस मत के साथ कोर्ट ने वह याचिका खारिज कर दी जो व्हीकल फैक्ट्री के आवासीय क्वार्टर को खाली कराने के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर के जूनियर वर्क्स मैनेजर सैफ उल हक सिद्दीकी की ओर से यह याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया कि व्हीकल फैक्ट्री के सेक्टर 2 में उसे सरकारी आवास आवंटित किया गया था। लेकिन पड़ोसियों की शिकायत पर फैक्टरी प्रशासन ने क्वार्टर खाली करने के आदेश इसलिए दिए थे कि उन्होंने अपने घर

में कई डॉग्स को पाल रखा है, यह आदेश अवैधानिक है। तर्क दिया गया कि पशु क्रूरता अधिनियम के तहत पालतू पशुओं की देखरेख करना उसका दायित्व है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के द्वारा पाले गए डॉग्स से पड़ोसियों को परेशानी हो रही थी। ऐसे में फैक्ट्री प्रशासन द्वारा क्वार्टर से बेदखली का आदेश सही है। कोर्ट ने यह भी कहा कि डॉग को पालने की यदि याचिकाकर्ता पर जिम्मेदारी है, तो वह जबलपुर शहर में कहीं भी मकान लेकर उसे निभा सकता है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि याचिकाकर्ता आवास का मालिक नहीं है बल्कि उसे क्वार्टर परिवार के साथ रहने के लिए आवंटित किया गया है।

प्रवेश पत्र पर विवि के नाम के आधार पर लिया गया निर्णय अनुचित : हाईकोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रवेश पत्र पर विश्वविद्यालय के नाम को आधार बनाकर लिए गए निर्णय को अनुचित करार दिया। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने विवि द्वारा परीक्षा का आयोजन व परिणाम घोषित होने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया निरस्त करने को ठीक नहीं माना। इसी के साथ विवि का आदेश निरस्त करने का आदेश पारित कर दिया। इससे याचिकाकर्ताओं को राहत मिल गई।

याचिकाकर्ता शहडोल निवासी रवि कुमार पटेल व रूपा त्रिपाठी सहित अन्य की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि शहडोल के पंडित शंभूनाथ शुक्ल विवि ने सहायक ग्रेड-थ्री, पुस्तकालय सहायक व प्रयोगशाला तकनीशियन सहित अन्य पदों के लिए विज्ञापन निकाला था। जिसके आधार पर परीक्षा का आयोजन किया गया। किंतु अंत में नियुक्ति प्रक्रिया महज इस तर्क के आधार पर निरस्त कर दी कि प्रवेश पत्र में विवि का संक्षिप्त नाम पंडित एसएन शुक्ल के स्थान पर पंडित शंभूनाथ शुक्ल अंकित हो गया, इससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा पढ़े-लिखे स्नातकों की थी, तो वे विश्वविद्यालय के नाम को लेकर भला कैसे भ्रमित हो सकते हैं।

25 हजार की जगह अब देना होगा 1.25 लाख का शुल्क, वह भी नहीं होगा वापस

स्टेट बार काउंसिल का चुनाव लडऩा हुआ पांच गुना महंगा

हरिभूमि जबलपुर।

स्टेट बार काउंसिल का चुनाव लडऩा अब आसान नहीं रह गया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक आदेश के जरिए नामांकन शुल्क में सीधे पांच गुना बढ़ोत्तरी कर दी है, जो कि रिफंडवेल भी नहीं है। जिससे प्रत्याशियों में खासा रोष है। जिसकों लेकर विरोध के स्वर भी उठ रहे है। पहले एसबीसी का चुनाव लडऩे के लिये नामांकन फीस पच्चीस हजार रुपये थी, जिसे बढ़ाकर एक लाख पच्चीस हजार रुपये कर दिया गया है। इतना ही नहीं उक्त राशि अब वापस भी नहीं होगी।

बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 सितंबर को एक आदेश जारी करके स्टेट बार काउंसिल के चुनावों के लिए सात सदस्यीय चुनाव समितियां गठित करके 31 जनवरी 2026 तक सभी चुनाव कराने के निर्देश बार काउंसिल ऑफ इण्डिया को दिए थे। सुको के इसी आदेश के बाद बार काउंसिल ऑफ इण्डिया द्वारा मप्र स्टेट बार काउंसिल को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा

गया है कि लॉ ग्रेजुएट्स के नामांकन के लिए पहले फीस 16 हजार रुपए थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने घटाकर 6 सौ रुपए कर दी है। स्टेट बार काउंसिल की आय घटने के कारण अब स्टेट बार काउंसिल के पास चुनावी खर्च के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं बच रही। इसके लिए जरूरी है कि नामांकन की फीस 25 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 25 हजार रुपए की जाए। मप्र स्टेट बार काउंसिल की मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल अगले माह पूरा होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में जनवरी 2026 तक नई कार्यकारिणी के चुनाव कराये जाने है।

वैकेशन में प्रत्याशियों ने शुरु किया जनसंपर्क

आगामी कार्यकारिणी को लेकर चुनाव की तैयारी कर रहे प्रत्याशियों ने जहां नामांकन शुल्क बढ़ाये जाने पर रोष व्यक्त किया है तो वहीं अपनी जोर अजमाईश भी शुरु कर दी है। दशहरा पर्व पर पड़ी छुट्टियों पर अपना भाग्य आजमा रहे प्रत्याशियों ने वकीलों के घरों में पहुंचकर जन संपर्क करना शुरु कर दिया है। वहीं सोशल मीडिया पर भी मतदाताओं से अपने पक्ष में मत का प्रयोग करने की अपील की जा रहीं है।

शुल्क बढ़ाया जाना अनुचित- सैनी

एसबीसी के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने कहा है कि चुनाव में नामांकन शुल्क सीधे पांच गुना बढ़ाया जाना अनुचित है। इसकों लेकर एसबीसी ने बीसीआई को पत्र भेजकर अपनी आपत्ति दर्ज करायी है। जल्द ही बीसीआई की सामान्य सभा की बैठक होने वाली है, जिसमें संभवतः शुल्क घटाने पर विचार विमर्श होगा।

अन्नदाताओं ने दुखी मन से कलेक्टर से की शिकायत

अधिकारी नहीं उठाते किसानों के फोन!

जबलपुर। किसानों के गैर राजनैतिक, वर्ग विहीन, राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से भेंट कर किसानों की ओर से शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि गांव, खेत, किसान व कृषि के सभी विभागो से जुड़े अधिकांश अधिकारी, कर्मचारी किसानों व ग्रामीण जनो के फोन नही उठाते, यदि कभी कभार उठा लेते हैं तो उनका व्यवहार अत्यंत रूखा एवं चिड़चिड़ा रहता है, व्हाट्सअप के मैसेज भी संज्ञान में नही लिए जाते, कार्यालयों में उनसे मिलना बहुत दूभर होता है। पहले तो चपरासियो की खुशामद करना पड़ती है, जैसे तैसे अंदर जाने मिलता है तो किसानों से अछूतों जैसा व्यवहार किया जाता है. अधिकारी के सामने खड़े रहकर गिड़गिड़ा कर,निराश होकर, अपने स्वाभिमान से समझौता कर लुटा, असहाय व दुखी मन से घर लौट आता है। अन्नदाता की यह स्थिति

अत्यंत असहनीय व पीड़ा दायक है।

कलेक्टर से मांग की गई की वे कृषि से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित करें कि वे किसानों के साथ मधुर व्यवहार करें तथा अपने कार्यालय में सम्मान पूर्वक उनकी समस्या सुनकर निराकरण कर उन्हें संतुष्ट करें । साथ ही किसानों के फोन उठाएं तथा उन्हें उचित जवाब देवे, किसानों के व्हाट्सएप मैसेज संज्ञान में लिए जाएं। ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं के सम्बन्ध में अखबारो में प्रकाशित समाचारों को अधिकारी संज्ञान में लेकर कार्यवाही करें।

भारत कृषक समाज के अध्यक्ष इंजी. के के अग्रवाल ने कहा कि यह विडंबना है अन्नदाता को केवल दिखावे में अन्नदाता कहा जाता है, वास्तव में दिल से किसी ने उसे अन्नदाता स्वीकार किया ही नहीं, नहीं तो उसकी यह दुर्दशा नहीं होती। किसान को कभी अन्नदाता जैसा सम्मान नही मिला। श्री अग्रवाल ने बताया की किसानों का सम्मान पुनर्स्थापित करने एक अभियान चलाया जायेगा, जिसमे जिला तथा तहसील स्तर पर सभी कार्यालयों में अधिकारियों से भेंट कर चर्चा की जाएगी तथा इस सम्बन्ध में उनको पत्र सौपकर आश्वासन लिया जायेगा। इसके अलावा किसानों ने अपनी अन्य मांगों में किसानों के लंबित भुगतान शीघ्र कराने, धान की पंजीयन अवधि बढ़ाने, नहरों से अंतिम छोर तक सिचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने के साथ ही प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनांतर्गत निर्मित ग्राम सिमरिया से छपरी लापता सड़क का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया । इस अवसर पर भारत कृषक समाज के रामकिशन पटेल, विवेक पटेल, संजय जैन, जितेंद्र देसी, सुशील जैन, हरनारायण सिंह राजपूत, रामेश्वर अवस्थी, प्रशांत जैन, महेन्द्र पटेल, संतोष बर्मन आदि उपस्थित थे।

संगमरमरी वादियों में गूंजेंगे भजन

भेड़ाघाट में दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव आज से

जबलपुर। संगमरमरी सौंदर्य के लिए मशहूर पर्यटन स्थल भेड़ाघाट में नर्मदा महोत्सव का आयोजन 5 और 6 अक्टूबर को होगा। नर्मदा महोत्सव का यह लगातार 22 वें वर्ष आयोजन होगा। पूर्व के वर्षों की तरह नर्मदा महोत्सव का इस बार का आयोजन भी धुआंधार जलप्रपात के समीप मुक्ताकाशी मंच पर होगा। खास शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित किये जा रहे इस दो दिवसीय आयोजन में भजनों की सरिता बहेगी, वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य और पराक्रम पर केन्द्रित नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की जायेगी एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भरतनाटयम और शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया जायेगा। वहीं, राजस्थानी लोक नृत्य कालबेलिया चरी और घूमर का आनंद भी नर्मदा महोत्सव में दर्शक ले सकेंगे।

जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा जिला प्रशासन, जिला पंचायत, नगर निगम जबलपुर, नगर परिषद भेड़ाघाट एवं जबलपुर विकास प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित किये जा रहे नर्मदा महोत्सव के पहले दिन 5 अक्टूबर की सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण ₹हर हर शंभु₹ फेम पूरी की सुश्री अभिलिप्सा पांडा के भजन होंगे। वहीं, दूसरे दिन 6 अक्टूबर की सांस्कृतिक संध्या में मधुबनी की सुश्री मैथिली ठाकुर और पँजाब के लखवीर सिंह लक्खा अपनी सुरीली और खनकती आवाज में भजनों का गायन कर भक्ति रस की सरिता बहायेंगे।

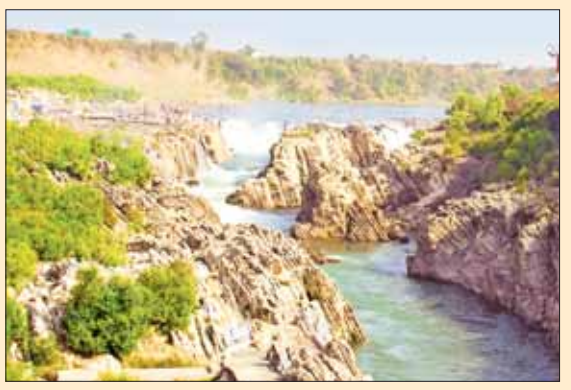

नर्मदा महोत्सव के पहले दिन का आकर्षण

नर्मदा महोत्सव के पहले दिन 5 अक्टूबर का आकर्षण प्रख्यात भजन गायिका सुश्री अभिलिप्सा पांडा द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी । महोत्सव के पहले दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत शाम 7 बजे माँ नर्मदा की पूजा अर्चना से शुरू होगी।
पहले दिन के कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्रीउदय प्रताप सिंह होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक करेंगी। राज्य सभा सदस्यविवेक कृष्ण तन्खा, विधायकअजय विश्नोई, विधायकनीरज सिंह, विधायकलखन घनघोरिया, विधायकसुशील तिवारी इंदु, विधायकसंतोष वरकड़े एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया को कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।
नर्मदा महोत्सव के पहले दिन की सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत शाम 7.30 बजे कटनी के युवराज सिंह के शास्त्रीय गायन से होगी । शाम 7.45 बजे जबलपुर की सुश्री कामना नायक एवं उनके समूह के कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम एवं रात 8 बजे से राजस्थान केजवाहरनाथ एवं समूह द्वारा कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। पूरी की सुश्री अभिलिप्सा पांडा द्वारा भजनों का गायन रात 8.15 बजे से प्रारंभ होगा।

दूसरे दिन का आकर्षण

नर्मदा महोत्सव के दूसरे और समापन दिवस 6 अक्टूबर को भी शाम 7 बजे नर्मदा पूजन, अतिथियों के स्वागत व दीप प्रज्ज्वलन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्रीराकेश सिंह होंगे। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)धर्मेंद्र सिंह लोधी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसदआशीष दुबे, विधायकनीरज सिंह एवं डॉ अभिलाष पांडे, नगर निगम जबलपुर के महापौरजगत बहादुर सिंह अन्नु एवं भेडाघाट नगर परिषद के अध्यक्षचतुर सिंह विशिष्ट के रूप में मौजूद रहेंगे। दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या में शाम 7.30 बजे संस्कार भारती जबलपुर की ओर से कमलेश यादव एवं उनके समूह द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती पर केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जायेगी। शाम 7.45 बजे राजस्थान के जवाहर नाथ ग्रुप द्वारा चरी और घूमर नृत्य की प्रस्तुत किये जायेंगे। रात 8.05 बजे से मधुबनी की सुश्री मैथिली ठाकुर तथा रात 9 बजे से पंजाब के लखवीर सिंह लक्खा द्वारा भजनों का गायन होगा। नर्मदा महोत्सव के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन स्थल पर व्यंजन मेला का आयोजन किया जायेगा तथा हस्तशिल्प सामग्री की प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

प्रवेश निशुल्क रहेगा

शरद पूर्णिमा पर भेडाघाट में धुआंधार जलप्रपात के समीप बने मुक्ताकाशी मंच पर दोनों दिन शाम 7 बजे से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आमजनों का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

संत रविदास विचार मंच की सभा आज

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 05 अक्टूबर को मध्यान्ह 12.30 बजे से लालकुंआ पोलीपाथर में तुलसीराम एवं चंदाबाई के निवास पर मंच की सभा आयोजित है। सभा के मुख्य अतिथि रामसिपाही सेठ होंगे, जो अध्यक्षता करेंगे। सभा में सदस्यता अभियान विषय पर चर्चा की जाएगी। मंच के तुलसीराम चौधरी, अनिल, दिनेश अहिरवार, मीना चौधरी, श्यामाबाई, रामबाई, सियाबाई, मोहनलाल चौधरी, श्यामलाल चौधरी, बृजलाल चौधरी, डॉ. मानिकलाल जाटव, आशु चौधरी सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति की अपील की है।

माँ सिद्धिदात्री, माँ काली जवारा विसर्जन चल समारोह आज

जबलपुर। माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति द्वारा इस शारदेय नवरात्र पर 22 सितम्बर को मां के (घट) जवारे रखे गए थे, जिनका विसर्जन चल समारोह 05 अक्टूबर को मंदिर प्रांगण से निकाला जाएगा। सर्वप्रथम 101 जवारा कलशों की पूजा अर्चना मुन्नू पंडा द्वारा की जाएगी तदोपरांत शाम 7.30 बजे विसर्जन चल समारोह हनुमानताल तालाब के लिए आरंभ होगा। उपस्थिति की अपील संस्कारधानी के सभी धर्म प्रेमियों से मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र जांगड़े, अखिल पटारिया, राजू पटारिया, मंदिर समिति एवं 360 गौत्रीय खटीक समाज ने की है।

ग्रामीण कांग्रेस के बैनर से मचा बवाल, जबलपुर के चल दशहरा समारोह में लगाया था मंच

बैनर से पूर्व मंत्री गायब, सांसद को दिया अंतिम स्थान

हरिभूमि, जबलपुर।

इन दिनों कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में अपना वजूद बचाने के लिए पसीना बहाती इस पार्टी को जैसे तैसे बड़े नेता सही राह पर लाते हैं और इनके कुछ नेता दोबारा आपसी मनमुटाव को लेकर पार्टी को गर्त की ओर खींच लाते हैं। जबलपुर के चल दशहरा समारोह में भी ऐसा ही नजारा देखने मिला। जहां ग्रामीण कांग्रेस ने स्वागत मंच तो लगाया पर यहां लगा बैनर चर्चा का विषय बन गया। दरअसल हुआ यूं कि बैनर में पूर्व वित्त मंत्री तरुण भानोत का फोटो गायब था। इसके साथ ही सांसद विवेक कृष्ण तन्खा को भी अंतिम में जगह दी गई। इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री ने यहां तक कह दिया कि मुझे ये लोग नेता नहीं मामनते तो क्या कहूं।

शहर में मंच नगर अध्यक्ष को जानकारी नहीं

बात बैनर तक ही सीमित नहीं रही। नगर के मध्य लगे मंच पर शहर कांग्रेस के लोगों को स्थान भी नहीं मिला। बड़ा सवाल तो ये है कि जब इस पूरे मामले में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा से बात की गई तो उनका कहना था हमें जानकारी ही नहीं दी गई। कार्यकर्ताओं के फोन आए तो पता चला कि ऐसा कोई मंच भी लगाया गया है। पूर्व वित्त मंत्री का फोटो न लगाना और हमारे सांसद को अंत में स्थान देना ठीक बात तो नहीं है।

सोशल मीडिया में हो रहा ट्रोल

दशानन पर प्रभु राम की विजय के इस पर्व पर कांग्रेस के मंच से राहुल गांधी सहित 10 लोगों के फोटो को भी सोशल मीडिया में ट्रोल किया जा रहा है। पूरे मामले में भाजपा के नेता खुलकर तो कुछ नहीं बोल रहे पर दबे शब्दों में कह रहे हैं कि कांग्रेस के लिए ये कोई नहीं बात नहीं यहां बड़े नेताओं के साथ ऐसा ही होता है।

मुझे तो जानकारी ही नहीं दी

नगर के चल दशहरे में ग्रामीण कांग्रेस ने अपना मंच लगाया पर मुझे जानकारी तक नहीं दी गई। मेरे पास शहर और ग्रामीण नेताओं के फोन आए। उन्हें मंच पर जगह भी नहीं दी गई सभी दुखी हैं। पूर्व मंत्री का फोटो भी नहीं लगाया। ऐसे कार्य से कार्यकर्ता भी दुखी हैं।

सौरभ नाटी शर्मा/ नगर अध्यक्ष, कांग्रेस

मुझे नेता नहीं मानते तो क्या कहूं

बैनर मैं मेरी फोटो नहीं लगाई इसकी जानकारी मिली। ये लोग मुझे नेता नहीं मानते तो क्या बोल सकते हैं।

तरूण भानोत
पूर्व वित्त मंत्री

पड़ाव की माता महाकाली की विसर्जन यात्रा आज

जबलपुर। नवीन महाकाली विकास युवा संस्था बड़ी महाकाली पड़ाव चौक गढाफाटक लिंक रोड (लटकारी पड़ाव) की भव्य काली की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस आज 5 अक्टूबर रविवार को शाम 4 बजे से प्रतिमा स्थापना स्थल से प्रारंभ होगा और जिसके विसर्जन स्थल भिटौली कुंड गौरीघाट पहुंचने में करीब 18 घंटे का समय लगेगा और दूसरे दिन 06 अक्टूबर सुबह 7-8 बजे प्रतिमा का विसर्जन हो पाएगा। पिछले 70 वर्षों से भव्यता और आस्था व चमत्कार का इतिहास संजोए यह प्रतिमा लाखों और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। इस प्रतिमा के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विसर्जन यात्रा में 18 घंटे का वक्त लग जाता है। छोटी लाईन फाटक से गौरीघाट स्थित भिटौली कुंड तक करीब एक लाख लोग डग-डग पर पूजन-अर्चन करते हैं। लाखों की संख्या में नारियल भेंट किये जाते हैं। मां के भक्त जबलपुर में ही नहीं पूरे देश में हर साल शिर्डी सांई सेवा संस्थान द्वारा गुलाब की माला माताराणी के लिए भेजी जाती है। नागपुर से भक्तों द्वारा मखाने की माला प्रतिवर्ष आती है। जयपुर और गुजरात के लोग यहां आकर माता को चुनरी चढ़ाते हैं और उनके जूलूस में भी शामिल होते हैं। समिति के अध्यक्ष एवं आयोजक एडवोकेट अखिल राज ने बताया कि सन 1955 में प्रतिमा की स्थापना पहली बार की गई थी। उन्होंने कहा कि समिति अपने विधान के मुताबिक 13 दिन के लिए प्रतिमा की स्थापना करती है। विसर्जन जुलूस में गोरखपुर से गौरीघाट के बीच कम से कम 1 लाख लोगों का सैलाब प्रतिमा के दर्शन पूजन करने उमड़ता है। श्रद्धालु जुलूस मार्ग की स्वयं सफाई करते हैं और धुलाई करते हौ। लाखों की तादाद में नारियल फूटते है। माता का नींबू और भभूत पाने होड़ लगी रहती है। पंडा द्वारा भक्तों को दिया जाने वाला नीबू चमत्कारी होता है जिससे भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि महाकाली जबलपुर की महारानी के नाम से विख्यात हैं।

सैकड़ों बाना धारण किए भक्तों के साथ भारी जनसमूह रहा मौजूद

श्री बड़ी खेरमाई का भव्य जवारा जुलूस निकला

हरिभूमि जबलपुर।

सन 1652 ई. से प्रारंभ श्री बड़ी खेरमाई मंदिर का ऐतिहासिक जवारा विसर्जन चल समारोह आज 374 वें वर्ष में प्रविष्ट होकर अपने विराट स्वरुप में संपन्न हुआ। भानतलैया स्थित मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हो कर दीनानाथ क्रॉसिंग, हनुमानताल, राजा रसगुल्ला की गली, तमरहाई चौक, मिलौनीगंज चौक, घोड़ा नक्कास से होते हुए हनुमानताल थाने के सामने पहुंची जहां तालाब में जवारों का विसर्जन किया गया।

भव्य रही यात्रा

चल समारोह में धर्म ध्वजा धारी सैकड़ों युवक, अश्वरोही दल, विविध वाद्य यंत्र, दर्जनों नर्तक दल व भजन मंडलियों के साथ शीश पर पर्यावरण का पावन संदेश देने वाले जवारों को धारण किये हजारों महिलायें, बाना स्थापित कर दिया था। मां बड़ी खेरमाई के विग्रह को पखारने भक्त जनों का सिलसिला लगा था। चल यात्रा में बड़ी संख्या में झांकियां भी सम्मिलित थीं।

स्थान-स्थान पर स्वागत

चल समारोह का अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मप्र प्रगतिशील ब्राम्हण महासभा, बजरंग दल, विश्व हिंदू, परिषद, जय रेवाखंड, विजय नगर दमोहनाका क्षेत्र रामलीला समिति, मानव अधिकार, कल्याण समिति आदि अनेक संगठनों ने मंच लगाकर चल समारोह का स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ट्रस्ट के शरद अग्रवाल, शशिकांत मिश्रा, आशीष त्रिवेदी, अनिल पाल, जयकांत उपाध्याय, महेंद्र जांगडे, सुरेश आहूजा, दीपचंद साहू आदि मौजूद रहे।

शोभायात्रा निकालकर विसर्जित की देवी की प्रतिमा

जबलपुर। जिले के बरगी तहसील के ग्राम पिपरिया में मां दुर्गा की शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। इसके साथ ही समीप के नदी में मां की प्रतिमा को धूमधाम से विसर्जित किया गया। पिपरिया गांव में पिछले वर्षों से आदिशक्ति मां जगदंबा की प्रतिमा पूजा का नौ दिवसीय उत्सव मनाया जाता है इस वर्ष भी धूमधाम से शारदीय नवरात्र पर मां की विशाल प्रतिमा स्थापित कर नौ दिवसीय पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं ,पुरुष व बच्चे विसर्जन जूलूस में शामिल हुए।

रोशनी के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा पॉवर हाउस "अस्पताल"

जबलपुर। बैतूल जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर एक छोटा सा कस्बा सारनी स्थित है। वर्ष 1965 के आसपास वहां सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की स्थापना हुई थी। वर्ष 2007 तक सतपुड़ा थर्मल पावर स्टेशन मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा पावर प्लांट था लेकिन कुछ पुरानी यूनिट बंद होने के बाद वर्ष 2019 से यह मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी का मध्य प्रदेश का तीसरा बड़ा थर्मल पॉवर स्टेशन बन गया। वर्ष 2014 से 250-250 मेगावाट की दो यूनिट यहां बिजली का उत्पादन कर रही हैं। सारनी के आसपास सुरम्य वन क्षेत्र है। यहां भरपूर वन संपदा उपलब्ध है। वनों में स्थित सागौन, साल, पलास तथा अन्य वृक्ष यहां की हरी-भरी घाटियों को बेहद सुंदर बनाते हैं। इस क्षेत्र की आबादी करीब 86 हजार के आसपास है। सारनी पावर हाउस अस्पताल आसपास के क्षेत्र में संजीवनी साबित हो रहा।

सेवा पखवाड़ाः छात्रों ने जिला स्तर पर किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बरेला। पी एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाडा से वरिष्ठ वर्ग से अंशुल कुशवाहा ने वाद विवाद मे प्रथम स्थान और चित्रकला मे विद्या विश्वकर्मा कनिष्ठ वर्ग से द्वितीय स्थान प्राप्त किए। इसी प्रकार जन शिक्षा केंद्र सालीवाड़ा से कनिष्ठ वर्ग में निबंध प्रतियोगिता मे शा मा शाला महगवॉं की छात्रा वैण्णवी यादव ने प्रथम, मा शा तिलहरी की छात्रा श्रध्दा यादव ने संगोष्ठी में द्वितीय स्थान , वाद विवाद मे नीरज अहिरवार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संकुल प्राचार्य पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाडा गौर श्रीमती आभा वानखेड़े ने कहा की बच्चों को इस स्तर तक ले जाने में शिक्षकों श्रीमती मीरा पांडे, जयप्रकाश धुर्वे, राम रतन जंघेला की अहम भूमिका रही। शिक्षकों एवं बच्चों को प्राचार्य एवं संकुल स्टाफ द्वारा बधाई दी गयी।

ओएफके में राजभाषा पखवाड़ा का उत्साह पूर्वक समापन

जबलपुर। भारत सरकार रक्षा मंत्रालय के उपक्रम यंत्र इंडिया लिमिटेड की महत्वपूर्ण इकाई आयुध निर्माणी जबलपुर (जीआईएफ) में कार्यकारी निदेशक विनीत शर्मा के मुख्यातिथ्य व संरक्षण में राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह उत्साह पूर्वक सम्पन हुआ। इस दौरान राजभाषा हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों ने उत्साहित होकर भाग लिया विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। मुख्यातिथि ओएफजे के कार्यकारी निदेशक विनीत शर्मा, महाप्रबंधक सुधीर यादव, उप महाप्रबंधक हेमंत पाखले, विशिष्ट अतिथि प्रमोद दुबे, अनिल शुक्ला ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यर्पण करते हुए दिप प्रज्ज्वलित कर समारोह का सरस्वती माँ की वंदना के साथ शुभारंभ किया। इस अवसर पर मनोज मिश्रा, प्रफुल्ल मिश्रा, हरिराम साहू ने हिंदी से ओतप्रोत मनमोहक काव्य पाठ किया।

6 अक्टूबर को मनाया जाएगा 'बरेला गौरव दिवस'

बरेला। नगर में कल 6 अक्टूबर को भव्य 'बरेला गौरव दिवस – बरेला महोत्सव' का आयोजन बस स्टैंड में दादा दरबार के सामने किया जाएगा। यह आयोजन नर्मदा खंड के प्रसिद्ध संत श्री हरि दादा ठन ठन पाल जी महाराज को समर्पित है। नगर के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के सांस्कृतिक आकर्षण के रूप में इंडियन आइडल के लोकप्रिय गायक सवाई भाट अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। कार्यक्रम पनागर विधायक सुशील तिवारी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होगा।

डॉ. टी.आर. शर्मा बने जनेकृविवि के संचालक, विस्तार सेवाएं

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद मिश्रा की अनुशंसा पर ख्यात उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा को 'संचालक, विस्तार सेवाएं' नियुक्त किया गया है। डॉ. शर्मा को कृषि विस्तार क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने किसानों के हित में कई नवाचार किए, जैसे सिवनी जिले में मक्का फसल को बढ़ावा देना। उनके मार्गदर्शन में अनेक शोध, परियोजनाएं एवं किसान हितैषी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हुए। नियुक्ति पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

ऑल इंडिया समता सैनिक दल ने सामूहिक माल्यार्पण किया

जबलपुर। आल इंडिया समता सैनिक दल जिला इकाई जबलपुर ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक हाईकोर्ट में सामूहिक माल्यार्पण कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में आल इंडिया समता सैनिक दल रजि. जिला इकाई जबलपुर मप्र के अध्यक्ष बिंदुसार कापसे, प्रदेश अध्यक्ष अशोक रामटेके और ओपी चाटे, कोषाध्यक्ष संतोष अतुलकर, सहसचिव डॉ. संजय शेन्डे, सदस्य पंकज पाटिल, राकेश थोरात, संजय ऊडकुडे, देवराज पाटिल, सहसंयोजक सुनिता शेन्डे, भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष यादवराव मेश्राम, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज वाघमारे, शैलेश पुनवटकर, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सिद्धार्थ खरे, डॉ. प्रशांत पुणेकर, उमाकांत गजभिये, नंदकिशोर टेभुरणे, उदय भद्र, बैद्यनाथ पटेल एवं समस्त बुद्ध विहार के पदाधिकारी एवं बौद्ध उपासक एवं उपासिकाए उपस्थित थे।

"भक्तिमति शबरी" नाटक ने सभी को किया भाव विभोर

जबलपुर। विजयादशमी के पावन अवसर पर संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन के सौजन्य से तथा जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से "दशहरा पर्व" का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन मालवीय चौक, समरसता सेवा संगठन जबलपुर के मंच पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा विशेष लीला-नाट्य "भक्तिमति शबरी" का मंचन किया गया। इस नाट्य प्रस्तुति का पुनर्गठन जबलपुर के निर्देशक संजय गर्ग द्वारा किया गया। प्रबंधन, वेशभूषा, संयोजन दविन्दर सिंह ग्रोवर का था, यह मंचन भक्ति, श्रद्धा और आदर्श मूल्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करता हुआ दर्शकों को भावविभोर कर गया।

गणतंत्र दिवस अंतर समूह प्रतियोगिता 15 तक

जबलपुर। वन-एमपी आर्टीयलरी रेजिमेंट एनसीसी ने 15 अक्टूबर 2025 तक भोपाल में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस शिविर अंतर समूह प्रतियोगिता के लिए 39 एनसीसी कैडेट्स को सफलतापूर्वक मैदान में उतारा है। कमांडर ब्रिगेडियर रितेश बहल के दूरदर्शी नेतृत्व और कमांडिंग ऑफीसर कर्नल विक्रांत त्यागी, एसएम के कुशल निष्पादन के तहत एसएम राकेश कुमार, वरिष्ठ पीआई हवलवार प्रदीप, हवलदार सेथिल और हवलदार कोहले की उनकी समर्पित टीम के साथ, कैडेट्स ने 06 अगस्त से 06 अक्टूबर 2025 तक चार गहन शिविरों में 40 दिनों तक कठोर प्रशिक्षण लिया।

श्रीमती उमा देवी शर्मा- सदर काली मंदिर के पास निवासी श्री हनुमान प्रसाद शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी शर्मा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकली बाई- गोरखपुर गुरूद्वारा के सामने निवासी श्री केदारनाथ की धर्मपत्नी श्रीमती राजकली बाई (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रेवा राम केवट- मड़ई व्हीकल निवासी श्री रेवा राम केवट (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लल्लू प्रसाद डुमार- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लल्लू प्रसाद डुमार (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती फूल कुमारी वाजपेयी- दीक्षितपुरा छोटी देवन के पास निवासी श्री जय नारायण वाजपेयी की धर्मपत्नी श्रीमती फूल कुमारी वाजपेयी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सनी अर्खेल- प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री संतोष अर्खेल के पुत्र श्री सनी अर्खेल (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शिव कुमारी कुशवाहा- साउथ सिविल लाइन एसपी बंगले के पीछे निवासी श्री राम भजन कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती शिव कुमारी कुशवाहा (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पवन कुमार यादव- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री प्रदीप कुमार यादव के पुत्र श्री पवन कुमार यादव (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सौरभ गौतम- नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास केंट निवासी श्री राजू गौतम के पुत्र श्री सौरभ गौतम (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला समुंद्रे- सिद्धबाबा वार्ड हनुमान होटल लालमाटी निवासी श्री दिलीप समुंद्रे की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला समुंद्रे (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांति चौधरी- सिंधी कैंप फकीरचंद अखाड़े के पास निवासी रमेश चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति चौधरी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मन मोहन यादव- शीतलामाई वार्ड निवासी श्री मन मोहन यादव (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राधिका वर्मा- नर्मदा नगर गोहलपुर निवासी श्री विजय कुमार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती राधिका वर्मा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रूपेंद्र दुबे- ग्राम चंद्रपुर ठेमी नरसिंहपुर निवासी श्री उमेश दुबे के पुत्र श्री रूपेंद्र दुबे (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुनीता मुखर्जी- रामकृष्ण कॉलोनी बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री विश्वजीत मुखर्जी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता मुखर्जी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज सिंह- आस्था परिसर न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री उदयभान सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज सिंह (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री चंद्रभान चौधरी- रविदास नगर बादशाह हलवाई मंदिर के पास पोलीपाथर निवासी श्री चंद्रभान चौधरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रमोद राजपूत- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री प्रमोद राजपूत (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कौसा बाई- राजीव गांधी नगर कटंगा केंट निवासी श्री राम प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती कौसा बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी बाई- अनुराधा कॉलोनी धोबीघाट गोराबाजार रोड निवासी श्री भगवान दास की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गंगाराम मेहरचंदानी- दत्त टाउनशिप तिलहरी निवासी श्री गंगाराम मेहरचंदानी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला नाहतकर- न्यू पीपी कॉलोनी निवासी श्री कृष्णकांत नाहतकर की धर्मपत्नी श्रीमती कमला नाहतकर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री मुन्नालाल नामदेव- पाटन निवासी श्री मुन्नालाल नामदेव का शनिवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह निवास पाटन में आज रविवार को सुबह 10 बजे किया जायेगा।

हरिभूमि
विज्ञी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- ... से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- ... से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज ... से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

ई-केव्हायसी कराना सभी के लिए है अनिवार्य

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार समस्त नागरिकों एवं नगर निगम के अलावा अन्य संस्थाओं में भी कार्य करने वाले अधिकारियां कर्मचारियों के साथ आउटसोर्स के कर्मचारियों को समग्र आधार ई-केव्हायसी कराना अनिवार्य किया गया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि आगामी माह में शासन द्वारा केवल आधार लिंक्ड समग्र आई.डी. को ही आधार इनेबल्ड पेमेंट के माध्यम से हितलाभ वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक 8 लाख 63 हजार 2 सौ 4 समग्र आधार ई-केव्हायसी अपडेट हो चुकी है और 7 लाख 10 हजार 3 सौ 81 शेष बची हुई हैं। आधार ई-केव्हायसी नहीं कराने वाले नागरिकों को लाभ से वंचित होना पड़ेगा, इसलिए सभी नागरिकों से निगमायुक्त ने अपील की है कि हरहाल में समग्र आधार ई-केव्हायसी अवश्य कराऍं। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि भविष्य में स्कूल, कॉलेज में बच्चों के एडमिशन हेतु भी समग्र आई.डी. में ई-केव्हायसी नहीं होने पर आप शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से वंचित हो सकते है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने नागरिकों से अपील की है कि जिन नागरिकों द्वारा अभी तक अपना समग्र आधार ई-केव्हायसी नहीं करवाया है वे अतिशीघ्र स्वयं अपने घर बैठे या अपने निकटम संभागीय कार्यालय अथवा एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से रिक्वेस्ट दर्ज करवा लेवे। आप अपनी सुविधानुसार घर बैठे भी लिंक से अपना ई-केव्हायसी स्वयं भी कर सकते है। समग्र आई.डी. पर आधार लिंक नहीं होने की स्थिति में समग्र आई.डी. को डुप्लीकेट समझते हुए डिलीट होने पर आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

सांसद दुबे ने लिखा रेल मंत्री को पत्र

सांसदों की रेलवे समिति की बैठक में उठा रीवा नागपुर इतवारी तथा शहडोल नागपुर ट्रेनों के सिहोरा में ठहराव का मुद्दा

सिहोरा। पश्चिम मध्य रेल जोन संसद की समिति की जबलपुर में विगत दिनों हुई बैठक में सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन से होकर नागपुर जाने वाली रीवा नागपुर इतवारी तथा शहडोल नागपुर ट्रेनों का सिहोरा रोड स्टेशन में स्टापेज का मुद्दा जबलपुर सांसद आशीष दुबे द्वारा पत्र के माध्यम से उठाया है इसके लिए सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम पश्चिम मध्य रेल जोन प्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय को पत्र भी सौपा पत्र में बताया गया कि सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन जबलपुर कटनी के ठीक बीच जबलपुर ग्रामीण का सबसे बड़ा स्टेशन है इस स्टेशन को आदर्श स्टेशन का दर्जा प्राप्त है स्टेशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमृत भारत योजना में शामिल कर पूरे स्टेशन का कायाकल्प कर विकास किया गया है इस स्टेशन से जबलपुर जिले की दो विधानसभा सिहोरा मझौली तथा कटनी जिले की बहोरीबंद ढीमरखेड़ा विधानसभा के एक हजार से अधिक ग्रामों के आठ लाख से अधिक लोग रेल सुविधा प्राप्त करते हैं चार विधानसभा का इतना महत्वपूर्ण स्टेशन होने के बावजूद सिहोरा रोड स्टेशन में उक्त दोनों ट्रेन का स्टॉपेज नहीं होने से जबलपुर कटनी जिलों की चार विधानसभा के रेल उपभोक्ता यात्री बहुत परेशान हैं यात्री जबलपुर कटनी पहुंचकर नागपुर की यात्रा करने को विवश होते हैं सबसे बड़ी परेशानी मरीजों की बनती है जो इलाज के लिए नागपुर जाते हैं बहोरीबंद मझौली पान उमरिया की दूरी मजह 15 से 20 किलोमीटर है जबलपुर कटनी जाने के लिए यात्रियों को 50 से 60 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करना पड़ती है। विदित हो स्थानीय लोगों की मांग के चलते पूर्व में भी सांसद द्वारा पत्र लिखकर रेल मंत्रालय को जनभावना से अवगत कराया गया था। किन्तु अपेक्षित राजनैतिक प्रयाशो की कमी के चलते सिहोरा के वाशिंदों को उक्त सौगात नहीं मिल सकी थी।मालूम रहे सिहोरा रोड स्टेशन में उक्त दोनों ट्रेनों का सिहोरा रोड स्टेशन में 2 मिनट का स्टॉपेज दिलाने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ एवं पूर्व जिला महामंत्री अरुण जैन की अगुवाई में अनेक लोगों ने सांसद आशीष दुबे के आगमन पर ज्ञापन सौंपा था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शस्त्र पूजन सम्पन्न

मझौली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मझौली खंड द्वारा संघ की शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन भव्यता से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, परम पूजनीया हट्टेवार एवं परम पूज्य गुरूजी एम.एस. गोलवलकर के चित्रों पर पुष्प अर्पण से हुई। इसके पश्चात परंपरागत विधि से शस्त्र पूजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपने-अपने शस्त्रों की पूजा कर राष्ट्रीय गौरव और रक्षा भावना को प्रकट किया।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 15433062A RANK HAV NAME PRASENJIT KAR S/O KAJAL CHANDRA KAR OF UINT MH, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 5281 4967 4595 I, have changed name and date of birth of my FATHER from name KAJAL CH KAR and date of birth 25/05/1960 (name and date of birth as per my Army service records) to name KAJAL CHANDRA KAR and date of birth 01/01/1965 (name and date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 8699 4235 2934 vide affidavit dated 04/10/2025 formerly before Public Notary Jabalpur.
CORRECT NAME
KAJAL CHANDRA KAR
INCORRECT NAME
KAJAL CH KAR
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1965
INCORRECT DATE OF BIRTH
25/05/1960

बड़ी संख्या में बच्चों की मौत की केंद्र कर रहा है जांच

कोयलांचल में एक माह में दस बच्चों की मौत से फैली दहशत, बच्चों के परिजनों में अफरातफरी, सीएम ने लिया संज्ञान

एक और मासूम जिंदगी की जंग हारा, मौत का आंकड़ा 10

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा (मनीष गड़करी)

पिछले बीस दिनों में छिंदवाड़ा के कोयलांचल में बच्चों में मौत का तांडव चल रहा है। दस मासूमों की जिंदगी छीनने के बाद भी कारण अज्ञात ही है। प्रशासन सिर्फ कयास ही लगा रहा है। हालांकि खबर है कि केंद्र सरकार अन्य राज्यों में भी इसी तरह के मामलों के चलते बच्चों की मौतों की जांच करवा रहा है। बीमार बच्चों के माता पिता दशहत में है। कोयलांचल में पैर पसार रही यह बीमारी धीरे धीरे करके कई मासूमों को अपने आगोश में लेने के लिए तैयार है और कटघरे में खड़ा है प्रशासन। मासूमों की मौत का गुनाहगार कौन है। क्या सच्चाई पर पर्दा डाला जा रहा है। या फिर मौत के कारणों का सिर्फ अंदाज लगाया जा रहा है। कारण अभी भी हकीकत से दूर है। पूरा प्रशासन मुस्तैदी से काम तो लगा है परंतु उपलब्धि के नाम पर हाथ में कुछ भी नहीं है। सभी बच्चों की मौत एक कफ सिरप को वजह मानकर बैन करने की कार्यवाही की गई है। बिना जांच सिरप पर ही ठीकरा फोड़ना कितना उचित है। बच्चों की केस स्टडी से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि कोल्ड्रिफ और नेक्ट्रा डीएस बीमारी की वजह हो सकती है जिसको प्रशासन ने बैन किया है और मेडिकल स्टोर में उपलब्ध सारा स्टॉक वापस किया जा रहा है। सवाल फिर भी वहीं है कि मौत का असली कारण क्या यह सिरप ही है। अगर हाँ तो फिर सिरप बैन के बाद भी मौत का तांडव क्यों नहीं थमा और अगर कारण यह सिरप नहीं है तो फिर प्रशासन कारण ढूंढने में अब तक नाकाम क्यों? सवाल तो बहुत है परंतु उन दस परिवारों का क्या होगा जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोकर अपना सब कुछ लुटा दिया। दरअसल पिछले दिनों कोयलांचल में जो हुआ वह एक स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि हमारे सिस्टम की सामूहिक विफलता का शर्मनाक दस्तावेज है जिसके कारण दस मासूमों की सांसें किडनी फैल होने से थम गई और कई मासूम नागपुर और छिंदवाड़ा के अलग अलग अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे है और उनके साथ लड़ रहा है उनका परिवार। मासूमों की जिंदगी के साथ परिवार की जिंदगी सपने, पैसा और धैर्य सब कुछ दांव पर लगा है। मौत का आंकड़ा बढ़ने से बीमार मासूमों के परिजनों की धड़कने भी तेज हो रही है। पांच साल का अदनान, चार साल का विकास, पांच साल की योगिता ये सिर्फ माता पिता का जीवन ही नहीं उनके परिजन का संसार थे। जिनके घरों में आज भयावह सन्नाटा पसरा हुआ है और शासन प्रशासन जांच रिपोर्ट कार्यवाही के नाम पर कारणों पर पर्दा डालने का प्रयास में लगा है। अगर बाजार में कोल्ड्रिफ और नेक्सट्रॉस डीएस सिरप उपलब्ध थे। तब क्या हमारा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग आंख में पट्टी बांधे बैठा था। पहली मौत के बाद ही अगर प्रशासन सही तरीके से सजग होकर काम करता तो मौत का यह आंकड़ा दस तक नहीं पहुंचता। यह खबर पाठक तक पहुंचने तक और कितने मासूम की जिंदगी खतरे में आ सकती है कुछ भी नहीं कहा जा सकता। मौत का कारण आज भी अज्ञात है। कयासों से मौत को थामना संभव नहीं है। शासन प्रशासन को वैज्ञानिकों को, जांच टीमों को वाजिब कारण तलाश कर उस पर काम करने की बेहद आवश्यकता है। नहीं तो कल फिर दिल दहला देने वाली कोई बात सुनने में आ सकती है, इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता।

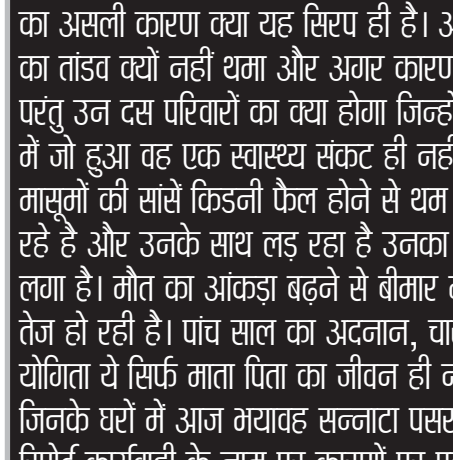

अदनान खान पिता अमीन खान
मृत्यु 7 सितंबर 2025

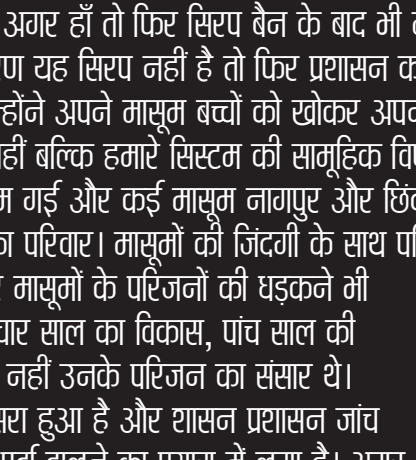

हेतांश सोनी उमरेठ
उम्र पांच वर्ष

बड़कुही की मासूम योगिता भी हुई बेनाम बीमारी की शिकार

मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, मृतक के परिजनों को चार लाख की घोषणा, निशुल्क इलाज भी कराएगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रिफ कप सिरप के कारण बच्चों की हुई मृत्यु अत्यंत दुखद है। कोल्ड्रिफ कप सिरप की जाँच रिपोर्ट आने पर मध्यप्रदेश में इस सिरप की बिक्री को पूर्णता प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रदेश में अभियान के तौर पर छापामारी कर कोल्ड्रिफ सिरप को जप्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में इस सिरप के कारण जिन 11 बच्चों को मृत्यु हुई है, उनके परिजन को 4-4 लाख रूपये आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। साथ ही उपचाररत बच्चों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

जाँच नमूने पाये गये अमान्य, सिरप में कैमिकल की संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा की घटना संज्ञान में आने पर कोल्ड्रिफ सिरप के सैम्पल जाँच के लिए भेज गये थे। शनिवार की सुबह जाँच रिपोर्ट में पाया गया कि जाँच नमूने अमान्य पाये गये है। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य स्तर पर भी इस मामले में संयुक्त जाँच टीम बनाई गई है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा।

जाँच में पाई गई 48.6% डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा

तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक, द्वारा कोल्ड्रिफ सिरप को "नॉट ऑफ़ स्टैण्डर्ड क्वालिटी(एनएसक्यू)" घोषित किया गया है। शासकीय औषधि विश्लेषक, औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, चेन्नई के परीक्षण अनुसार इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा पाई गई 48.6% पाई गई है, जो एक जहरीला तत्व है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है। जिला छिंदवाड़ा से बच्चों की मृत्यु की घटनाओं की पृष्ठभूमि में इस औषधि की संदिग्ध भूमिका को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में कठोर कदम उठाए गए हैं। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. दिनेश कुमार मौर्य ने प्रदेश के समस्त वरिष्ठ औषधि निरीक्षक एवं औषधि निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि उक्त दवा का विक्रय एवं वितरण तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। यदि यह दवा उपलब्ध हो तो इसे तुरंत सील कर लिया जाए तथा नष्ट नहीं किया जाए, जैसा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 और नियमों में प्रावधान है। संबंधित औषधि के नमूने संकलित कर परीक्षण हेतु शासकीय औषधि प्रयोगशालाओं को भेजे जाएं। कोल्ड्रिफ सिरप के अन्य बैचेस भी यदि उपलब्ध हों तो उन्हें भी सील कर नमूने परीक्षण हेतु भेजे जाएं। जनहित को देखते हुए मेसर्स स्रेसन (**Sresan**) फार्मास्यूटिकल द्वारा निर्मित सभी अन्य औषधियों की बिक्री एवं उपयोग भी तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है और इनके नमूने कानूनी परीक्षण हेतु संकलित किए जा रहे हैं। साथ ही प्रदेश में इस दवा की आवाजाही पर सख्त निगरानी के निर्देश हैं।

अब तक एक भी बच्चे का नहीं हुआ पोस्टमार्टम

परासिया विकासखंड में किडनी इन्फेक्शन से अब तक 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस गंभीर मामले में बड़ा खुलासा यह हुआ है कि मृत बच्चों का पोस्टमार्टम अब तक नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के जांच कैसे आगे बढ़ेगी। **एसडीएम का बयान** – परिजनों ने पीएम से किया इनकार परासिया एसडीएम एवं आईएएस अधिकारी शुभम कुमार यादव ने बताया कि परासिया क्षेत्र में 9 बच्चों की मौत हुई है, वहीं 13 बच्चे नागपुर के अस्पताल में भर्ती हैं और तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बच्चों का सीधे नागपुर में इलाज कराया गया, ऐसे मामलों में परिजन पोस्टमार्टम से कतराते हैं। प्रशासन और परिजनों के बीच समन्वय की कमी के चलते किसी भी बच्चे का पीएम नहीं हो पाया। दो सिरप पर लगाया गया बैन प्रशासन ने शुरुआती जांच के आधार पर दो सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि जिन 6 बच्चों को ये सिरप पिलाए गए थे, उनमें गंभीर लक्षण सामने आए। सुरक्षा की दृष्टि से फिलहाल इन सिरप की बिक्री बंद कर दी गई है और विस्तृत जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुणे लैब में भेजे गए सैंपल एसडीएम ने जानकारी दी कि पानी, मच्छर और अन्य संदिग्ध स्रोतों के सैंपल पुणे लैब में जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें किसी बड़ी समस्या की पुष्टि नहीं हुई। लेकिन बच्चों की स्थिति को देखते हुए दवाओं पर बैन लगाया गया है। परासिया में वर्षों से बिक रहे थे ये सिरप एसडीएम शुभम कुमार यादव ने बताया कि यह सिरप डॉक्टरों की पर्चियों पर लंबे समय से लिखा जा रहा था और मेडिकल दुकानों में भी उपलब्ध था। संभव है कि किसी खास लॉट में समस्या आई हो। इससे पहले 2022 में भी देश के अन्य हिस्सों में ऐसी ही समस्या सामने आई थी। छिंदवाड़ा के परासिया क्षेत्र में हो रही किडनी फेलियर से हो रही मौत के मामले में यह बात निकाल कर सामने आई है कि अभी तक नौ बच्चों की मौत हो चुकी है 13बच्चे में से एक ठीक हो गया चार बच्चों का इलाज जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में चल रहा है जिसमें में से दो की हालत नाजुक बनी हुई है 8 बच्चों का इलाज नागपुर में चल रहा है जिसमें से तीन बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है वही परासिया क्षेत्र में ड्रग इंस्पेक्टर की टीम पहुंची हुई है जो जांच कर रही है। खाजरी अंतू निवासी बच्ची संध्या के पिता रसीद बोसम ने बताया कि मेरी 14माह की बेटी को सर्दी खांसी की परेशानी हो रही थी मेरी पत्नी परासिया के प्रवीण सोनी की क्लीनिक में लेकर गई थी जहां उन्होंने दो सिरप पर्ची में लिखे थे उसने बाजू वाले मेडिकल से खरीदे थे 4 दिन में सर्दी खांसी तो ठीक हो गई मगर एक-दो दिन बाद उसकी यूरिन रुक गई फिर हम डॉक्टर प्रवीण सोनी के पास गए तो उन्होंने छिंदवाड़ा रेफर कर दिया छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में तीन दिन इलाज चला आराम नहीं लगा तो फिर नागपुर रेफर कर दिया नागपुर में दो दिन इलाज के बाद 1 तारीख को मेरी बेटी की मौत हो गई नागपुर में डॉक्टरों ने किडनी में इन्फेक्शन बताया था।

कफ सिरप से गई इन बच्चों की जान

नाम	उम्र	पता
दिव्यांश	7 वर्ष	इुइी
अदनान	5 वर्ष	न्यूटनिखली
हेतांश	5 वर्ष	उमरेठ
उसैद	4 वर्ष	परासिया
श्रेया	18 माह	परासिया
विकास	4 वर्ष	दीघावानी
योगिता	5 वर्ष	बोरिया
संध्या	15 माह	परासिया
चंचलेश	-------	गायगोहान
योगिता	पांच वर्ष	बड़कुही

विशेष जांच दल द्वारा जांच जारी है। जांच अधिकारियों के दल में स्वप्निल सिंह बालाघाट, औषधि अधिकारी गौरव शर्मा छिंदवाड़ा और पुष्पेंद्र पांडे कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा जांच की जा रही है। शनिवार को जांच दल कोयलांचल के अलग अलग क्षेत्रों में पहुंचकर कारण जानने में जुटा है।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने मासूमों की मौत पर उठाए सवाल, विधायक बाल्मीक ने एयर एंबुलेंस से दिल्ली एम्स में शिफ्ट करने की मांग

पूर्व सीएम कमलनाथ ने एक्स पर लिखा है कि यह जानकर स्तब्ध हूं कि बच्चों की दवा में ब्रेक ऑयल जैसे जहरीले साल्वेंट का उपयोग हो रहा है। यह बेहद चिंता की बात है। यह घटना प्रदेश में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक विफलता को उजागर करती है। आज सरकार से मांग करता हूं कि प्रदेश में बिक रही सभी दवाओं की जांच कराई और खाने पीने की वस्तुओं पर भी सख्त निगरानी रखी जाए।

वहीं बच्चों की मौत के बाद सोहन बाल्मिक विधायक की मांग (ऐयर एंबुलेंस)से पीड़ित बच्चों को एम्स दिल्ली शिफ्ट करें सरकार। नवनियुक्त कलेक्टर हरनारायण ने ज्वाइन करने के 2 घंटे में हेल्थ डिपार्टमेंट की बैठक बुलाई। परासिया विधायक सोहन बाल्मिक ने आरोप लगाया के सरकार के स्वास्थ्य मंत्री क्लीन चिट दे रहे हैं। यह गंभीर मामला है। अज्ञात बीमारी से पीड़ित भरती बच्चे को उचित इलाज और मुआवजा अब तक नहीं मिल पा रहा है। विधायक सोहन बाल्मिक ने कहां सरकार से मांग करता हूं कि एयर एंबुलेंस एवं मृतक बच्चों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा में पिछले दो-तीन हफ्तों में किडनी फेलियर से लगभग, 9 बच्चों; की मौत हो चुकी है, अन्य अस्पतालों में भर्ती है जो शुरुआत में मौसमी बुखार समझा जा रहा था। *स्वास्थ्य अधिकारियों को शक है कि यह मौतें दूषित खांसी के सिरप (जैसे कोल्डरेफ और नेक्स्ट्रो) के सेवन से जुड़ी हैं, जिसमें अवैध रसायन डायइथाइलीन ग्लाइकॉल (**DEG**) मिला हुआ है। यह रसायन कूलेंट (एंटीफ्रीज) और ब्रेक फ्लूइड में इस्तेमाल होता है, जो किडनी और दिमाग पर गंभीर असर डालता है—जैसे किडनी डैमेज, न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स और मौत।मुख्य तथ्यःमौतों की संख्याः 9 बच्चे (5 साल से कम उम्र के), पिछले 15-21 दिनों में। अन्य 1,400 से ज्यादा बच्चों की निगरानी चल रही है, जिनमें सर्दी-जुकाम के लक्षण हैं। **कारणः** सिरप में **DEG** की मिलावट, जो ग्लिसरीन (स्वीटनर) को सस्ता बनाने के लिए अवैध रूप से मिलाया जाता है। **स्थानः** छिंदवाड़ा जिला, मध्य प्रदेश। पड़ोसी राजस्थान (सीकर) में भी समान मामले सामने आए हैं।प्रभावः बच्चे पहले ठीक लगते थे, लेकिन कुछ दिनों बाद किडनी फेल हो जाती थी। नागपुर के अस्पतालों में इलाज के बावजूद बच नहीं सके। **की गई कार्रवाईः** दो संदिग्ध सिरप की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया। डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड वाले सिरप के बैचों की जांच शुरू, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (**NCDC**) ने सैंपल लिए।राजस्थान में 19 बैचों की बिक्री बैन, डॉक्टरों को निजी क्लिनिक से वायरल मरीजों को सिविल अस्पताल भेजने का निर्देश।

शेयर बाजार बन रहा सांप-सीढ़ी का खेल, संभलकर करें निवेश

बाजार के उतार-चढ़ाव में फूल रही निवेशकों की सांसे, ऐसे में क्या करें ● अपने निवेश को रोके नहीं, एसआईपी निवेश का सबसे बेहतर विकल्प ● करीब 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड ने 5 साल में दिया 30% से ज्यादा रिटर्न ● बाजार के इस दौर में भी मुनाफा के साथ अच्छा रिटर्न दे रहे म्यूचुअल फंड

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार इन दिनों सांप-सीढ़ी का खेल दिखा रहा है। ऐसे में निवेशक हैरान और परेशान हैं कि क्या करें, कैसे करें कि मुनाफा मिलता रहे। निवेश में नुकसान नहीं झेलना पड़े। बाजार की उठा-पटक में कभी इंडेक्स खूब चढ़ जाता है तो कभी काफी लुढ़क जाता है, लेकिन इन तमाम झंझावातों के बीच भी कुछ ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड हैं जो निवेशकों को बीते 5 साल में 30 फीसदी या इससे ज्यादा का सीएजीआर का रिटर्न दिया है। ऐसे में नए निवेशक भी इनमें निवेश कर मुनाफा कमा सकते हैं। म्यूचुअल फंड बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में भी निवेशकों को लुभा रहे हैं। खासकर एसआईपी में निवेश सबसे बेहतर माना जाता है। करीब 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड ने 5 साल में 30% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में आप भी इनमें निवेश कर अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।

सबसे पुराना और सबसे बड़ा कॉन्ट्रा फंड, एसबीआई कॉन्ट्रा फंड, ने उक्त अवधि में 30.03% का सीएजीआर दिया। निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड आखिरी फंड था जिसने 30% से ज़्यादा का CAGR दिया। इस फंड ने पिछले पांच सालों में 30.02% का सीएजीआर दिया। बाकी 191 फंडों ने पिछले पांच सालों में 13.98% से 29.99% के बीच का सीएजीआर दिया। मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने उक्त अवधि में 29.99% का सीएजीआर दिया।

झूले झूल रहा बाजार

इस समय शेयर बाजार में उठापटक का दौर चल रहा है। बीएसई सेंसेक्स कभी नीचे तो कभी ऊपर जा रहा है। ऐसे में निवेशक परेशान हैंए कि क्या करें। सेंसेक्स कभी पॉजिटिव तो कभी निगेटिव के झूले झूल रहा है। इस वजह से इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश कम होने की खबरें भी आ रही हैं। हालांकि ऐसी स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है। संयम और धैर्य के साथ किया गया निवेश आपको मुना देगा। अभी भी कुछ म्यूचुअल फंड ऐसे हैं, जो मुनाफा ही नहीं, बल्कि अच्छा रिटर्न दे रहे हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ इक्विटी म्यूचुअल फंड के बारे में जिसने पिछले 5 सालों में 30 फीसदी या इससे ज्यादा का सीएजीआर रिटर्न दिया है।

202 फंड, सभी ने दिया डबल डिजिट रिटर्न

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 5 साल की अवधि के दौरान सक्रिय सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को ट्रैक किया है। इस दौरान पाया गया कि इस दौरान इस सेक्टर में 202 म्यूचुअल फंड थे। उन सभी ने अपने निवेशकों को डबल डिजिट यानी 10 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। हम यहां 11 वैसे फंड का चयन किया है, जिन्होंने इस अवधि में 30% से ज़्यादा का सीएजीआर दिया है। सीएजीआर का मतलब है कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट होता है।

कौन हैं टॉप रिटर्न देने वाले

5 साल में 30 फीसदी का ज्यादा रिटर्न देने वाले 11 फंडों में से तीन निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के थे। वहीं, क्वांट म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड जैसे फंड हाउसों का एक-एक स्कीम शामिल था।

लिस्ट में सबसे ऊपर कौन

इस लिस्ट में क्वांट स्मॉल कैप फंड का नाम सबसे ऊपर रहा। इसने पिछले पांच वर्षों में 35.26% का सीएजीआर दिया है। इसके बाद मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड का स्थान है जिसने इसी अवधि में 34.11% का सीएजीआर दिया। इसके बाद तीन स्मॉल कैप फंड थे। निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, जो कि एसेट मैनेजमेंट के हिसाब से सबसे बड़ा स्मॉल कैप फंड है, ने पिछले पाँच सालों में 32.89% का सीएजीआर दिया। इसके बाद बंधन स्मॉल कैप फंड और एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड रहे, जिन्होंने इसी अवधि में क्रमशः 31.38% और 31.15% का सीएजीआर दिया। निप्पॉन इंडिया मल्टी कैप फंड ने पिछले पांच सालों में 30.96% का सीएजीआर दिया। इस मल्टी कैप फंड के बाद तीन स्मॉल कैप फंड थे। एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड और टाटा स्मॉल कैप फंड ने पिछले पांच सालों में क्रमशः 30.72%, 30.70% और 30.42% का सीएजीआर दिया।

क्या है इक्विटी म्यूचुअल फंड

इक्विटी म्यूचुअल फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी म्यूचुअल फंड के प्रकार

1. लार्ज-कैप फंड: ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
4. मल्टी-कैप फंड : ये फंड विभिन्न कैप साइज (लार्ज, मिड, स्मॉल) के शेयरों में निवेश करते हैं।
5. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं।
6. थीमैटिक फंड : ये फंड विशिष्ट थीम या ट्रेंड पर आधारित निवेश करते हैं।

निवेश की सही प्लानिंग बनाएं और आर्थिक चिंता को निपटाएं

- भारत में 10 करोड़ का पोर्टफोलियो आर्थिक आजादी का पहला लक्ष्य
- अगर 10 करोड़ को इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और रियल एस्टेट में निवेश करें तो सालाना 7-9% रिटर्न

तैयारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय आजादी का मतलब अक्सर बड़ी संपत्ति, कई प्रॉपर्टीज और बहुराष्ट्रीय निवेश समझा जाता है। लेकिन भारत में असली वित्तीय आजादी का पैमाना इससे काफी कम है। कई अमीर लोगों के लिए यह सिर्फ 10 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो है, जो जीवनभर की आरामदायक और सुरक्षित जिंदगी के लिए शुरुआती लक्ष्य माना जाता है। यह संख्या बेशक कम लगती है, लेकिन बेहद तार्किक है। दरअसल, फाइनेंशियल फ्रीडम खर्च करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जीवन को सहज और सुरक्षित ढंग से चलाने के लिए होती है। 10 करोड़ रुपये के सही तरीके से निवेश किए पोर्टफोलियो से आप अपनी लाइफस्टाइल, हेल्थ इंश्योरेंस, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं को लंबे समय तक चला सकते हैं।

वित्तीय आजादी का असली मतलब

कई बार लोग फाइनेंशियल फ्रीडम का मतलब सिर्फ बेशुमार दौलत से समझते हैं। लेकिन, असल में इसका मतलब है कि आपकी संपत्ति और निवेश से इतनी कमाई हो कि आपकी जिंदगी की जरूरतें पूरी हों, बिना किसी नौकरी या नियमित आय पर निर्भर रहे बिना। यह संख्या ज्यादा नहीं, बल्कि आपके समय और विकल्प की स्वतंत्रता को दिखाती है।

भारत में फाइनेंशियल फ्रीडम के पहलू

भारत में फैमिली स्ट्रक्चर बाकी दुनिया के मुकाबले काफी अलग है। इसके चलते फाइनेंशियल फ्रीडम में और भी जिम्मेदारियां जुड़ी होती हैं। बच्चों की पढ़ाई, शादी, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और प्रॉपर्टी ट्रांसफर जैसी जिम्मेदारियां यह तय करती हैं कि आजादी कितनी है।

10 करोड़ क्यों सबसे बेस्ट

1. स्थायी पैसिव इनकम : अगर 10 करोड़ रुपये को इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और रियल एस्टेट में निवेश किया जाए तो सालाना 7-9% रिटर्न मिल सकता है। इसका मतलब 70-90 लाख रुपये सालाना या 6-7.5 लाख रुपये प्रति माह। यह आम भारतीय हाई-मिडिल क्लास फैमिली के लिए आरामदायक जीवनशैली, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और मनोरंजन के लिए पर्याप्त है।

2. महंगाई से सुरक्षा : भारत में औसत महंगाई 5-6% रहती है। 10 करोड़ का सही तरह से निवेश किया पोर्टफोलियो इतना रिटर्न देगा कि महंगाई से ऊपर रहेगा। साथ ही, आपके पास जरूरी खर्चों के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी बनी रहेगी।

3. इमरजेंसी खर्च : जीवन अनिश्चित है। मेडिकल इमरजेंसी या बच्चों की विदेश में पढ़ाई जैसी बड़ी जरूरतें कभी भी आ सकती हैं। 10 करोड़ का पोर्टफोलियो अप्रत्याशित खर्चों को पूरा करने में मदद करता है। व्यापक बीमा इस सुरक्षा को मजबूत बनाता है।

4. जीवनशैली की इच्छाएं : अधिकतर मिलियनेयर शानदार जीवनशैली की नहीं सोचते। उनका ध्यान आरामदायक घर, समय-समय पर घूमना-फिरना, भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा और बच्चों के भविष्य पर होता है। ऐसे में 10 करोड़ रुपये उनके लिए अच्छी रकम बन जाते हैं।

5. मानसिक राहत : 10 करोड़ रुपये एक मानसिक सीमा भी है। यह आर्थिक अनिश्चितता से सुरक्षा की भावना देती है और लोग पैसिव आय पर निर्भर होकर अपने शौक, विरासत योजना या चैरिटी पर ध्यान दे सकते हैं।

6. लचीलापन और सुविधा
एसआईपी की सबसे खास बात यह है कि इसे कभी भी बदला या रोका जा सकता है। आप चाहें तो निवेश की रकम बढ़ा सकते हैं, घटा सकते हैं या कैंसल कर सकते हैं। इसमें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता। एसआईपी को इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड फंड- किसी में भी लगाया जा सकता है। यही लचीलापन इसे हर निवेशक की जरूरतों के अनुकूल बनाता है।

अलग-अलग पीढ़ी में वित्तीय आजादी का मतलब

युवा पेशेवर (25-35 साल) जल्दी आर्थिक आजादी पाना चाहते हैं। वे अक्सर 3–5 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो बनाने का लक्ष्य रखते हैं। उनका लक्ष्य होता है कि 40 की उम्र तक काम छोड़कर अपने मनमुताबिक जिंदगी बिता सकें। इस उम्र में उनके लिए समय और लचीलापन ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। मिडल-एज लोग (35–50 साल) घर के लोन, बच्चों की पढ़ाई और माता-पिता की देखभाल जैसी जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं। उनके लिए 10-15 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो पर्याप्त हो सकता है, जिससे वे अपने खर्चों और परिवार की जरूरतों को आराम से पूरा कर सकें। वरिष्ठ मिलियनेयर (50 साल से ऊपर) रिटायरमेंट के करीब होते हैं। उनके लिए स्वास्थ्य, जीवन के आखिरी हिस्से की योजना और संपत्ति अगली पीढ़ी को देने की जिम्मेदारी सबसे बड़ी होती है। उनके लिए 20–25 करोड़ रुपये का पोर्टफोलियो उन्हें सुरक्षित जीवन और बच्चों को संपत्ति देने में मदद करता है।

10 करोड़ के फंड तक कैसे पहुंचे

- 25 साल का युवा अगर 50,000 रुपये प्रति माह निवेश करता है और 12% रिटर्न पाता है, तो 55 की उम्र तक 10 करोड़ आसानी से बन सकते हैं।
- इक्विटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड इनकम, रियल एस्टेट और गोल्ड का तालमेल जोखिम कम करता है। यह सुरक्षित तरीके से संपत्ति बढ़ाता है।
- जैसे-जैसे कमाई बढ़ती है, खर्च भी बढ़ते हैं। ऐसे में बोनस और अन्य आय को निवेश में लगाना जरूरी है।
- इमरजेंसी फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और रिस्क कवरेज से वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इससे मुश्किल वक्त में बचत को नहीं छेड़ना पड़ता।

सोना-चांदी ने मचाई धूम, गोल्ड 22% और सिल्वर 39% चढ़ा

दोनों धातुओं ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, आगे भी ऐसी ही उम्मीद ■ दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की ही रही ■ चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई ■ निवेशकों के सबसे प्रिय बनकर उभरी दोनों धातुएं

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अमेरिका में ऊंची मुद्रास्फीति और धीमी वृद्धि को लेकर पैदा अनिश्चितताओं ने सोने-चांदी में तेजी को हवा दी है। इनके साथ-साथ अमेरिका के बढ़ते कर्ज और ट्रंप प्रशासन के आयात/निर्यात शुल्कों के कारण दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कीमती धातुओं के दामों में लगातार रिकॉर्ड तेजी का केंद्र बन गई है। पिछले दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की रही है। लेकिन चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय सोने ने 22.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो कम से कम 30 वर्षों के बाद किसी पहली छमाही में दर्ज अब तक का सबसे ज्यादा रिटर्न है। इसी तरह चांदी ने 39.5 फीसदी का रिटर्न दिया है जो पिछले तीन दशकों में दूसरा सबसे अच्छा रिटर्न है। इससे पहले, कोविड महामारी के कारण ऐतिहासिक लॉकडाउन वाले वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में चांदी ने 66.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की थी। ये रिटर्न और कीमतें 30 सितंबर शाम 5.40 बजे की कीमतों पर आधारित हैं। रुपये के लिहाज से वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में सोना 29.5 फीसदी बढ़ा है जो पिछले तीन दशकों में पहली छमाही का सबसे ज्यादा रिटर्न है। चांदी ने 43.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो लॉकडाउन वर्ष (वित्त वर्ष 21) की पहली छमाही की 53 फीसदी बढ़त के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है।

विविधीकरण

लगातार बढ़ रही कीमतें

हालांकि, मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट के साथ तेजी थमी। सुबह के कारोबार में 3,871 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई और यह 3,815 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। चांदी भी 47.1 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 46.3 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है,जो अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 49 डॉलर प्रति औंस से थोड़ा कम है। मुंबई के हाजिर बाजार में 995 शुद्धता वाला 24 कैरेट सोना 1,14,887 रुपये प्रति 10 ग्राम (1,16,435 रुपये की शुरुआती कीमत से कम) पर बंद हुआ। चांदी 1,42,434 रुपये प्रति किलोग्राम (सुबह के कारोबार में 1.45 लाख रुपये की कीमत से कम) पर बंद हुई जो अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप है।

तेजी के ये कारण

सोने में हालिया तेजी का मुख्य कारण अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप होने की आशंका है। रिकॉर्ड 37.5 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज का वित्तपोषण मुश्किल है और अमेरिका में ट्रंप प्रशासन और कांग्रेस के प्रतिनिधियों के बीच हाल में हुई बैठक में भी बंदी के मुद्दे को सुलझाने को लेकर कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। 1971 में अमेरिका में बंद की आशंकाओं के चलते निक्सन प्रशासन ने अमेरिकी डॉलर को सोने में बदलने पर रोक लगा दी थी। पिछले कुछ महीनों से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, अमेरिका में मुद्रास्फीति की आशंका, अमेरिकी फेड अधिकारियों के खिलाफ सरकार की टिप्पणियों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने कीमती धातुओं में तेजी को बढ़ावा दिया है। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक भी सोने के बड़े खरीदार रहे हैं।

आगे की राह भी ऐसी ही रहेगी

पिछले कुछ महीनों से चांदी की सिफारिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा, चांदी में अब जरूरत से ज्यादा खरीद हुई दिखती है। तेजी की एक और लहर इसे नई ऊंचाई पर ले जाएगी, लेकिन उससे पहले इसमें गिरावट की संभावना है। उद्योग और निवेशकों के बीच चांदी की उच्च मांग है। इस कारण भारत में बाजार 50 सेंट के प्रीमियम पर पहुंच गया है, जबकि तत्काल डिलिवरी मिलना मुश्किल है। वैश्विक स्तर के बारे में एक प्रमुख व्यापारी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता चांदी के बड़े खरीदार हैं जो बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक है और सौर पैनल निर्माताओं और निवेशकों की मांग से इसे समर्थन मिल रहा है। चांदी की भारी मांग है। लेकिन स्थानीय स्तर पर सोने की मांग फिलहाल कमजोर है। ग्राहक सिक्के खरीद रहे हैं और पुराने जेवरों को नए आभूषणों से बदल रहे हैं।

चांदी को लेकर भी काफी आशावादी

अमेरिका में सरकारी शटडाउन से बचना मुश्किल होने के कारण सोने की कीमत को 4,000 डॉलर से 4,100 डॉलर के बीच प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। वे चांदी को लेकर भी काफी आशावादी हैं, लेकिन चांदी की कीमतें और ऊपर जाने से पहले कई बार 49 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू सकती हैं। चांदी के 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी से पहले नौ महीनों का रिटर्न 45 साल में सबसे ज्यादा है। कैलेंडर वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में सोने का रिटर्न 45 फीसदी है जबकि चांदी का रिटर्न 59 फीसदी है।

आखिर मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अब कवरेज बेहद ज़रूरी क्यों?

- आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में काम का प्रेशर तो कभी पैसों की चिंता कर रही परेशान
- समाज की उम्मीदों को भी पूरा करने का रहता है दबाव, ये सब बढ़ाते हैं तनाव
- लगातार तनाव की वजह से चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं कर रही परेशान
- ऐसे में जरूरी हो जाता है कवरेज, बिना किसी चिंता के करवा सकते हैं देखभाल

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही महत्वपूर्ण है। हाल के समय में कई मशहूर हस्तियों के अपने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातों को खुलकर सामने रखने और मीडिया में हो रही चर्चा से इस समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता आई है। बहुत से लोग इस बारे में खुलकर बात नहीं करते थे, जिस वजह से इसे कभी प्राथमिकता नहीं समझा गया। आज, चीजें बदल रही हैं। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में कभी काम का प्रेशर होता है, कभी पैसों की चिंता और ऊपर से समाज की उम्मीदों को भी पूरा करना पड़ता है और ये सब मिलकर रोजमर्रा का तनाव बढ़ाते हैं। इस लगातार तनाव की वजह से चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि टेक्नोलॉजी की मदद से हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं, लेकिन कई बार इससे हमें अकेलापन या तनाव का एहसास भी होता है, जो हमारे मन पर असर डालता है। समय रहते मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को समाधान करने से स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। ऐसे माहौल में, मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 ने इलाज तक पहुंच को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस कानून के तहत, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने दिशानिर्देश जारी किए, जिनके अनुसार 31 अक्टूबर 2022 से सभी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को मानसिक बीमारी से जुड़े इलाज को शारीरिक बीमारी के बराबर मानते हुए कवर करना और उससे जुड़े क्लेम स्वीकार करना अनिवार्य कर दिया गया। इसका मतलब है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग अब बिना किसी चिंता के ज़रूरी देखभाल हासिल

मानसिक स्वास्थ्य के लिए कॉम्प्रेहेंसिव कवरेज के मुख्य लाभ

जल्दी मदद प्राप्त करना आसान : जब मानसिक स्वास्थ्य देखभाल आपके इंश्योरेंस का हिस्सा हो, तो ज़रूरत महसूस होते ही मदद लेना ज़्यादा आसान और संभव हो जाता है। समय रहते इलाज प्राप्त करने से समस्या ज़्यादा गंभीर नहीं होती है और रिकवरी भी जल्दी हो जाती है। हेल्थ इंश्योरेंस आपको मेडिकल बिल की लागत पर चिंता किए बिना तुरंत समस्या का समाधान करने का आत्मविश्वास देता है।

आपकी जेब पर पड़ता है कम बोझ

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल महंगी होती है। इसमें अक्सर नियमित थेरेपी सेशन, दवाएं और कभी-कभी हॉस्पिटल में भर्ती होना शामिल होता है। ये खर्च तेजी से बढ़ सकते हैं और एक समय पर इलाज जारी रखना मुश्किल हो जाता है। एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस कवर इन खर्चों का बड़ा हिस्सा चुका देता है, जिससे आप पैसे की चिंता किए बिना अपनी सेहत सुधारने पर ध्यान दे सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि प्लान में क्या शामिल है, यह आपके द्वारा चुने गए प्लान के प्रकार पर निर्भर करता है।

हॉस्पिटलाइज़ेशन के बिना ली गई थेरेपी के लिए कवरेज

कुछ हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में ओपीडी(आउटपेशेंट डिपार्टमेंट) की सुविधा मिलती है, जिसका मतलब है कि हॉस्पिटल में भर्ती हुए बिना भी थेरेपी या काउंसलिंग की सुविधा प्राप्त की जा सकती है। इससे ज़रूरत पड़ने पर नियमित मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त करना आसान हो जाता है। यह सुविधाजनक और किफायती विकल्प है, जो आपको अपनी देखभाल जारी रखने में मदद करता है।

मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में मदद

मानसिक स्वास्थ्य तुरंत ठीक नहीं होता है। कई लोगों को लंबे समय तक मदद की ज़रूरत होती है, जैसे कि लगातार थेरेपी लेना, दवाइयां लेना या नियमित रूप से मनोचिकित्सक के पास जाना जो इंश्योरेंस प्लान मानसिक स्वास्थ्य को कवर करते हैं, वे लंबे समय तक इलाज जारी रखने में मदद करते हैं, जिससे भावनात्मक रूप से स्वस्थ बने रहना आसान होता है।

विशेष मानसिक स्वास्थ्य प्लान

सामान्य हेल्थ इंश्योरेंस के अलावा, कुछ कंपनियां ऑटिज़्म, पार्किंसंस रोग और बौद्धिक अक्षमताओं जैसी खास मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के लिए विशेष प्लान भी प्रदान करते हैं। इन पॉलिसी में आयुष उपचारों के लिए भी कवरेज मिल सकती है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी शामिल हैं। कुछ बीमा कंपनियां इन विशेष प्लान के तहत पहले से मौजूद कुछ मानसिक बीमारियों को भी कवर करती हैं। एक संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझना बहुत जरूरी है। बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक, हमारी मानसिक सेहत इस बात को प्रभावित करती है कि हम क्या सोचते हैं, कैसा महसूस करते हैं और दुनिया के साथ कैसे तालमेल बैठाते हैं। अगर हम मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों और समय पर देखभाल करें, तो हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहां इसे शारीरिक स्वास्थ्य के बराबर माना जाएगा। थेरेपी या मदद लेना कमजोरी नहीं, बल्कि ठीक होने, आगे बढ़ने और मजबूत बनने की एक बड़ी पहल है।

- (लेखक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं)